

## छत्तीसगढ़ में 10 नक्सलियों ने कथि आत्मसमर्पण

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा ज़िले में चार नाबालगों सहित दस नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कथि।

### मुख्य बढि:

- पुलसि दवारा जून 2020 में शुरु कथि गए '[लोन वरराटू](#)' यानी [अपने घर वापस लौटो अभयान](#) के तहत अब तक ज़िले में कुल 815 नक्सलियों ने हसि छोड़ दी है।
- लोन वरराटू:
  - इस अभयान का मतलब है 'घर वापस आओ ( 'Come back home')'।
  - यह अभयान उन नक्सलियों के लयि शुरु कथि गया थ जो लाल आतंक ( Red Terror) का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होना चाहते थे। इस अभयान के तहत कई नक्सलियों ने आतंकवाद का रास्ता छोड़ दथि है।

### नक्सलवाद

- नक्सलवाद शब्द का नाम पश्चमि बंगाल के गाँव नक्सलबाड़ी से लथि गया है।
- इसकी शुरुआत स्थानीय ज़मींदारों के खलिफ वदिरुह के रूप में हुई, जसिने भूमि वविाद पर एक कसिान की पटिाई की थी।
- यह आंदोलन जलद ही पूरवी भारत में छत्तीसगढ़, ओडिशि और आंध्रप्रदेश जैसे राज्यों के कम वकिसति क्षेत्रों में फैल गया।
- वामपंथी उग्रवादी (LWE) वशिव भर में माओवादियों और भारत में नक्सली के रूप में लोकप्रथि हैं।
- उद्देश्य:
  - वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और माओवादी सदिधांतों पर आधारति एक कम्युनसि्ट राज्य की स्थापना का समर्थन करते हैं।
  - वे राज्य को दमनकारी, शोषक और सत्तारूढ अभजिात वरग के हतिों की सेवा करने वाले के रूप में देखते हैं, वे सशस्त्र संघर्ष एवं जनयुद्ध (People's War) के माध्यम से सामाजकि-आर्थकि शकियतों का समाधान करना चाहते हैं।